

28



आयुक्त (अपील्स) का कार्यालय, वस्तु एवं सेवा कर और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क: O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), GST & CENTRAL EXCISE,

द्वितीय तल, जी एस टी भवन / 2nd Floor, GST Bhavan, रेस कोर्स रिंग रोड, / Race Course Ring Road,

राजकोट / Rajkot - 360 001

Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142 Email: cexappealsrajkot@gmail.com



रजिस्टर्ड डाक ए. डी. द्वारा :-

क	अपील संख्या / Appeal File No V2/6/GDM/2017	मूल आदेश सं / OIO No ST/421/2016-17	दिनांक / Date 27.10.2016
---	---	--	-----------------------------

619070 6193

ख अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.):

KCH-EXCUS-000-APP-103-2017-18

आदेश का दिनांक / Date of Order:	06.11.2017	जारी करने की तारीख / Date of issue:	10.11.2017
---------------------------------	-------------------	-------------------------------------	-------------------

कुमार संतोष, आयुक्त (अपील्स), राजकोट द्वारा पारित / Passed by Shri Kumar Santosh, Commissioner (Appeals), Rajkot

ग अर्ज आयुक्त/संयुक्त आयुक्त/उपायुक्त/सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/सेवाकर, राजकोट / जामनगर / गान्धिधाम द्वारा उपरोक्तित जरी मूल आदेश से सुनिहित / Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise / Service Tax, Rajkot / Jamnagar / Gandhidham

घ अपीलकर्ता & प्रतिवादी का नाम एवं पता /Name & Address of the Appellant & Respondent :- M/s. Friends Mercantile Pvt. Ltd., "Rankers House" Plot No.12, Sector No. 1, Gandhidham-Kutch

इस आदेश(अपील) से व्यक्ति कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरीके से उपरोक्त अपीलकर्ता / प्रतिवादी के द्वारा अपील दाखल कर सकता है/ Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

(A) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35B के अन्तर्गत एवं वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 के अन्तर्गत निम्नलिखित जगह की जा सकती है / Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:-

(i) सर्वोच्च न्यायालय से सम्बन्धित सभी मामलों सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, ग्रेट ब्लॉक नं 2, आर. के. फुलम, नई दिल्ली, को की जा सकती है / The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Fulam, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.

(ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बयान कर अपील के अलावा बीच सभी अपीलें सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टम) की प्रांतीय शांतीय पीठ, दक्षिणीय तल, भ्राम्हाजी भवन असावा अहमदाबाद 380016 को की जानी चाहिए / To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at 2nd Floor, Bhramha Bhawan, Asawa Ahmedabad-380016 in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above

(iii) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमवली, 2001, के नियम 6 के अन्तर्गत निर्धारित फॉर्म ए.ए.3 को चार प्रतियों में दर्ज किया जाना चाहिए। इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की सीमा उत्पाद की सीमा और न्याया सेवा जुमाने, तथा 1 लाख या उससे कम, 5 लाख तथा 50 लाख तथा एक अलावा 50 लाख तथा से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति प्रस्तुत की। निर्धारित शुल्क का अभाव, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शिका के अभावक रजिस्ट्रार के नाम से किंगी श्री सर्वोच्च न्यायाधीश को बैंक द्वारा जारी रेकॉग्निड बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शिका में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शिका स्थित है। अथवा आदेश (उपरोक्त) के लिए अपील-पर के साथ 500/- रुप का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/- Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of duty demand/interest/penalty/refund is upto 5 Lac. 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-

(B) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) के अन्तर्गत सेवाकर विनियम, 1994, के नियम 9(1) के अन्तर्गत निर्धारित फॉर्म S.T.-5 में चार प्रतियों में की जा सकती है एवं उसके साथ जिन आदेश के विरुद्ध अपील की जाती है, उसकी प्रति साथ में अलग की (जिनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की सीमा उत्पाद की सीमा और न्याया सेवा जुमाने, तथा 1 लाख या उससे कम, 5 लाख तथा 50 लाख तथा एक अलावा 50 लाख तथा से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति प्रस्तुत की। निर्धारित शुल्क का अभाव, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शिका के अभावक रजिस्ट्रार के नाम से किंगी श्री सर्वोच्च न्यायाधीश को बैंक द्वारा जारी रेकॉग्निड बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शिका में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शिका स्थित है। अथवा आदेश (उपरोक्त) के लिए अपील-पर के साथ 500/- रुप का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।

The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs 500/-

(i) विल अपीलियाब, 1994 की धारा 86 की उप-धारा (2) एवं (2A) के अंतर्गत टॉरों की नयी अपील, सेवान्त नियमवली, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित धारा 5.1.7 में की जा सकती एवं उसके साथ अनुसूक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा अनुसूक्त (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्वारा पाली आदेश की प्रतियाँ संलग्न करे (जहाँ भी एक प्रति धारित होनी चाहिए) और अनुसूक्त द्वारा माहवक अनुसूक्त अथवा उपानुसूक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवान्त, को अपीलियाब न्यायाधिकरण को आदेश टॉरों करने का निर्देश देने वाले आदेश की प्रति भी साथ में संलग्न करनी होगी। / The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in For 5.1.7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.

(ii) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवान्त अपीलियाब परिष्कारण (सेस्टेट) के प्रति अपीलों के मामले में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अपीलियाब 1944 की धारा 35एफ के अंतर्गत, जो की वित्तीय अपीलियाब, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवान्त को भी लागू की गई है, इस आदेश के प्रति अपीलियाब परिष्कारण में अपील करने समय उत्पाद शुल्क/सेवा कर साथ में 10 प्रतिशत (10%), जब साथ में जुर्माना निर्धारित है, या जुर्माना, जब केवल जुर्माना निर्धारित है, का भुगतान किया जाए, बावजूत कि इस धारा के अंतर्गत जमा कि जाने वाली अपीलियाब टॉरों टॉरों टॉरों टॉरों टॉरों टॉरों टॉरों से अधिक न हो।

- (i) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवान्त के अंतर्गत "समा किए गए शुल्क" से रिमून शामिल है।
 - (ii) धारा 11-डी के अंतर्गत रकम
 - (iii) सेवान्त जमा की गई नई सेवा टॉरों
 - (iv) सेवान्त जमा नियमवली के नियम 6 के अंतर्गत टॉरों रकम
- बावजूत यह कि इस धारा के प्रावधान वित्तीय (सं. 2) अपीलियाब 2014 के अंतर्गत में पूर्व किसी अपीलियाब परिष्कारणी के समय विपारटमेंट स्थगन नहीं एवं अपील को लागू नहीं होगी।

For an appeal to be filed before the CESTAT under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores.

- Under Central Excise and Service Tax "Duty Demanded" shall include
- (i) amount determined under Section 11 D;
 - (ii) amount of erroneous Central Credit taken;
 - (iii) amount payable under Rule 6 of the Central Credit Rules
- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.

(C) **भारत सरकार को पुनरीक्षण आवेदन :**
Revision application to Government of India:
 इस आदेश की पुनरीक्षण परिष्कारण विभागाधिकारण भारतीय में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अपीलियाब, 1994 की धारा 35EE के प्रथम पत्रक के अंतर्गत अपील संपिद, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन केसाट, वित्त मंत्रालय, राजसभ विभाग, चौथी मंजिल, जीवन टॉप भाग, संसद भवन, नई दिल्ली-110001, को किया जाता चाहिए। / A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35E ibid:

(i) यदि आग के किसी नुकसान के मामले में, जहाँ नुकसान किसी आग को किसी कारखाने से अंतर मूह के पारगमन के टॉरों या किसी अन्य कारखाने या फिर किसी एक अंतर मूह से दूसरे अंतर मूह पारगमन के टॉरों, या किसी अंतर मूह से या अंतराल में आग के पारगमन के टॉरों, किसी कारखाने या किसी अंतर मूह में आग के नुकसान के प्रकृत में। / In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse

(ii) भारत के बाहर किसी राष्ट्र का क्षेत्र को निर्यात कर रहे आग के विनिर्माण में प्रदूषक कच्चे आग पर अभी नई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के छुट (रिबेट) के मामले में, जो आग के बाहर किसी राष्ट्र का क्षेत्र को निर्यात की गयी है। / In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.

(iii) यदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना आग के बाहर, नेपाल या भूटान को आग निर्यात किया गया है। / In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.

(iv) सुनिश्चित उत्पाद के उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो इम्पूटी क्रेडिट इस अपीलियाब एवं इसके विभिन्न प्रावधानों के तहत लागू की गई है और ऐसे आदेश जो अनुसूक्त (अपील) के द्वारा वित्त अपीलियाब (सं. 2), 1998 की धारा 109 के द्वारा निर्यात की गई तरीक अथवा स्थापनाधि पर या बट में धारित किया गया है। / Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

(v) उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियाँ धारा संख्या EA-8 में जो की केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमवली, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत निर्धारित है, इस आदेश के संख्या के 3 अंश के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदनों के साथ मूल आदेश व अपील आदेश की दो प्रतियाँ संलग्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अपीलियाब, 1944 की धारा 35-EE के तहत निर्धारित शुल्क की अदायगी के संबंध के तौर पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। / The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the O.I.O. and Order-in-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.

(vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखित निर्धारित शुल्क की अदायगी की जानी चाहिए। / The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved is Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

(D) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का जवाब है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का भुगतान, उपरोक्त इस से किया जाता चाहिए। इस लक्ष्य के होने हुए भी की निम्न यही कार्य से बचने के लिए धारणियाधि अपीलियाब न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है। / In case, if the order covers various numbers of order, in Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, not withstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filed to avoid scripioria work if excising Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each.

(E) न्यायाधिकरण न्यायालय शुल्क अपीलियाब, 1975, के अनुसूची-1 के अनुसार मूल आदेश एवं संख्या आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुल्क देकित करा होना चाहिए। / One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs. 6.50 as prescribed under Schedule-1 in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended.

(F) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवान्त अपीलियाब न्यायाधिकरण (सर्व विधि) नियमवली, 1982 में वर्णित एवं अन्य संबंधित मामलों की परिभाषित करने वाले नियमों की और भी ध्यान देकित किया जाता है। / Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

(G) उच्च अपीलियाब परिष्कारणी को अपील दर्जित करने से संबंधित न्यायक विस्तृत और अधिकार प्रावधानों के लिए, अपीलियाब विभागाधिकारण वेबसाइट www.cbec.gov.in को देख सकते हैं। / For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website www.cbec.gov.in

:: ORDER IN APPEAL ::

M/s. Friends Mercantile P. Ltd., "Maitri Bhavan", Plot No. 18, Sector-08, Gandhidham-Kutch (hereinafter referred to as "Appellant") filed the present appeals against Orders-In-Original No. ST/421/2016-17 dated 27.10.2016 (hereinafter referred to as "impugned orders") passed by the Assistant Commissioner, Service Tax Division, Gandhidham-Kutch (hereinafter referred to as "the lower adjudicating authority").

2. The facts of the case is that the appellant filed refund claim of Rs. 11,15,286/- under Notification No.41/2012-ST dated 29.06.2012 of service tax paid to various service providers for rendering taxable services in relation to export of goods for the period specified in the refund claim. The lower adjudicating authority vide impugned order Rs. 37,178/- was rejected.

3. Being aggrieved with the impugned order, the appellant preferred the appeal, *inter-alia*, on the grounds that the lower adjudicating authority has erred in law and also on fact in rejecting the refund of Swachh Bharat Cess (hereinafter referred to as "SBC") without assigning any cogent reason thereof. The refund claim of SBC has been rejected without affording any opportunity to the appellant to explain their case and thus violating the principles of natural justice.

4. Personal hearing in the matter was attended to by Shri Manish H. Vora, Chartered Accountant, who reiterated grounds of appeal and submitted that no opportunities of personal hearing have been given to them; that refund of SBC has not been granted without any valid reasons.

4.1 The appellant submitted written submission wherein it has been interalia submitted that the only grievance of appellant is that the lower adjudicating authority has denied refund of SBC to the appellant without affording any opportunity/notice to the appellant to explain their case as to why such refund should not be denied to them. The lower authority has simply given go by to such fundamental Principle of Law and rejected the claim of the appellant by simply stating that "SBC is deductible from the claim" without assigning any reason as to why such claim is deductible thus violating the Principle of Natural Justice.

4.2 They have filed refund claim of Service Tax paid on the input service which they have utilized in export of goods as stipulated in Notification No. 41/2012-ST dated 29.06.2012. The said Notification allows rebate of Service Tax

25

paid on the taxable service received by the exporter of goods and utilized by them for export of goods. The enabling provision for levy of SBC on services was incorporated under Section 119 of the Finance Act, 2015, under Chapter-V of the said Act.

4.3 The appellant referred Frequently Asked Question (FAQ) on SBC issued by CBEC wherein it has been clarified that SBC is not cess on service tax and all provisions relating to levy and collection of Service Tax as enumerated in Chapter-V of the Finance Act, 1994 and Rules made there under including those relating to exemption and refund from tax will be applicable to SBC also. Further CBEC prescribed an accounting code wherein refund of SBC should be accounted for. If there is no intention of allowing refund of SBC to the public at large, question of notifying accounting code for refund of SBC would not have been arisen.

4.4 The appellant referred Notification Nos. 1/2016-ST to Notification No. 3/2016-ST dated 02.02.2016 and Notification No. 29/2016-ST and Notification No. 30/2016-ST both dated 26.05.2016 and submitted that these Notifications allowed SBC as rebate/refund to the exporter. It is submitted that vide Notification No. 1/2016, CBEC has increased the scheduled rate of tax refundable to the exporter due to increase in tax because of introduction of SBC whereas vide Notification No. 2/2016-ST & 3/2016/ST with respect to Notification No. 12/2013-ST dated 01.07.2013 and Notification No. 39/2012-ST dated 20.06.2012, refund of SBC is allowed to the exporter. It is also submitted that in their own case, the department itself has allowed the refund of SBC and therefore adopting the contrary stand in the case under consideration is not justifiable.

4.5 The appellant relied decision of Hon'ble High Court of Karnataka in the case of M/s. TVS Motors Ltd. wherein the Hon'ble High Court has held that rebate of automobile cess paid on motor vehicles exported out of India is refundable even though the same is not mentioned in the Notification No. 19/2004-CE(NT) and decision in the case of Shree Renuka Sugars Ltd. wherein the Hon'ble court has held that the cess which is levied on production of sugar is nothing but a duty of excise and as per Rule-3 of the Cenvat Credit Rules-2014, credit of such duty as excise are available to the appellant. The same analogy would apply to the case of SBC and appellant is eligible and entitled for refund of SBC as service tax paid on service received which were utilized for export of goods.

FINDINGS:

5. I have carefully gone through the facts of the case, the impugned order, appeal memorandum and the submission of the appellant. The issue to be decided in the present case is as to whether the appellant is entitled for rebate of SBC paid on services used for export of goods under Notification No. 41/2012-ST dated 29.06.2012 or not.

6. The appellant has contended that the refund claim was rejected without assigning any cogent reasons, without issuance of SCN and without affording any opportunity to the appellant to explain their case and thereby violated the principles of natural justice. I find force in the arguments made by the appellant. I find that refund claim was decided by the lower adjudicating authority without issuance of SCN and even without granting opportunities of personal hearing to the appellant. It is settled position of law that the refund claim should not be rejected without issuance of SCN demonstrating reasons for denial of refund claim and without affording sufficient opportunities to explain their case. Hence, I find that the impugned order is not sustainable, the same being non-speaking order as far as rejecting refund claims of SBC is concerned.

6.1 In view of the above facts, I am of the considered view that the impugned order need to be set aside and the matter needs to be remanded back to the lower adjudicating authority to pass speaking and reasoned order offering fair opportunities to the appellant.

7. I find that the Commissioner (Appeals) has power to remand appeals as decided by the Hon'ble CESTAT in the case of CCE, Meerut Vs. Singh Alloys (P) Ltd. reported as 2012(284) ELT 97 (Tri-Del). I also rely upon decision of the Hon'ble CESTAT in the case of CCE, Meerut-II Vs. Honda Seil Power Products Ltd. reported in 2013 (287) ELT 353 (Tri-Del) wherein it has been held that Commissioner (Appeals) has inherent power to remand a case under the provisions of Section 35A of the Act. The Hon'ble Gujarat High Court in Tax Appeal No. 276 of 2014 in respect of Associated Hotels Ltd. has also held that even after the amendment w.e.f. 11.05.2011 in Section 35A (3) of the Central Excise Act, 1944, the Commissioner (Appeals) would retain the power to remand.

8. In view of the above facts, I set aside the impugned order to the extent of rejection of refund of SBC and allow the appeals by way of remand with direction to the jurisdictional adjudicating authority to pass speaking and reasoned order within three(03) months of the receipt of this order giving fair and reasonable opportunities to the appellant to submit written submission.

९. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपीलस का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।
 9.. The appeals filed by the appellant stands disposed off in above terms.

(Handwritten Signature)
 (कुमार संतोष)
 आयुक्त (अपील्स)

By Regd. Post AD

To,

M/s. Friend Mercantile Pvt. Ltd.,
 "Maitri Bhavan", Plot No. 18, Sector-08,
 Gandhidham-Kutch

मे. फ्रेंड मेर्कटाइल प्रा. लिमिटेड,
 "मैत्री भवन", प्लॉट नं. १८, सेक्टर - ०८,
 गांधीधाम - कच्छ

Copy to:

- 1) The Chief Commissioner, GST & Central Excise, Ahmedabad Zone, Ahmedabad.
- 2) The Commissioner, GST & Central Excise, Kutch Commissionerate, Gandhidham
- 3) The Assistant Commissioner, GST & Central Excise Division, Gandhidham
- 4) Guard File.